भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1141
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 2 दिसंबर, 2024
11 अग्रहायण, 1946 (शक)

चित्रकूट में यूनेस्को जियो पार्क की स्थापना

1141. श्री गणेश सिंह:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारतीय कला और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए कोई रूपरेखा तैयार की है;

(ख) क्या सरकार का विचार ओरछा, खजुराहों, पन्ना, कालिंजर किला,चित्रकूट सरभंगा आश्रम, सुतिक्षण मुनि आश्रम, सिद्ध पहाड़, बिरसिंहपुर, सतना, रामवन, पांडी खजूरी, मार्कण्डेय आश्रम, व्हाइट टाइगर सफारी मुकुंदपुर, बाणसागर, बाधंवगढ़, अमरकंटक, चित्रकूट को जोड़ने वाले कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, जहां भगवान श्रीराम ने अधिकतम ग्यारह वर्ष वनवास में बिताए थे, को शामिल करते हुए एक पर्यटक सर्किट विकसित करने का है;

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि इस पूरे क्षेत्र में सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था, नेशनल पार्क, टाइगर सफारी, जल निकाय शामिल हैं और यह पवित्र नदियों का स्रोत है;

(घ) क्या सरकार को इस बात की भी जानकारी है कि यूनेस्को जियो पार्क की स्थापना के लिए उक्त क्षेत्र का चयन विचाराधीन है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): संस्कृति मंत्रालय अपने विभिन्न अधीनस्थ और संबद्ध कार्यालयों के माध्यम से मूर्त और अमूर्त कला तथा संस्कृति के संरक्षण और परिरक्षण में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। संस्कृति मंत्रालय के अधीन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण नियमित रूप से आवश्यकतानुसार राष्ट्रीय महत्व के प्राचीन स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों तथा अवशेषों का रखरखाव करता है।

(ख): पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं जैसे स्वदेश दर्शन, चुनौती आधारित गंतव्य विकास, पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता, प्रसाद योजना और पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता के अंतर्गत राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन को पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है, बशर्ते कि धन की उपलब्धता हो, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत की जाए, योजना के दिशानिर्देशों का पालन किया जाए, आदि।
पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।
(ग): यह क्षेत्र विविधताओं से समृद्ध है।
(घ) और (ड.): खान मंत्रालय के अधीन भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने उक्त क्षेत्र में भू-पर्यटन/भू-पार्क विकसित करने की संभावना का पता लगाने के लिए निर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर प्रारंभिक क्षेत्रीय जांच शुरू कर दी है।

अनुबंध

लोक सभा में दिनांक 02.12.2024 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1141 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

(क) स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजना का विवरण ।

.1	मुकुंदपुर में वन्यजीव सर्किट का विकास - संजय -डुबरी-बांधवगढ़-कान्हा- मुक्की - पेंच	वन्यजीव सर्किट / 2015-16	92.10
.2	साँची-सतना-रीवा-मंदसौर-धार का विकास	बौद्ध सर्किट / 2016-17	74.02
3	ग्वालियर- ओरछा - खजुराहो - चंदेरी - भीमबेटका - मांडू का विकास	विरासत सर्किट / 2016-17	89.82
4	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध - ओंकारेश्वर बांध- इंदिरा सागर बांध- तवा बांध- बरगी बांध- भेड़ाघाट - बाणसागर बांध - केन नदी का विकास	पारिस्थितिकी सर्किट / 2017-18	93.76

(ख) स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 योजना (एसडी 2.0) के रूप में नया रूप दिया गया है, जिसका उद्देश्य टिकाऊ और उत्तरदायी पर्यटन को विकसित करना है। मध्य प्रदेश सरकार के परामर्श से और एसडी 2.0 योजना के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, मंत्रालय ने मध्य प्रदेश में "ग्वालियर" और " चित्रकूट " को चिह्नित किया है और " फूलबाग एक्सपीरियंस ज़ोन, ग्वालियर के लिए 16.73 करोड़ रुपये " और " चित्रकूट में आध्यात्मिक अनुभव के लिए 27.21 करोड़ रुपये" की मंजूरी दी है ।

(ग) चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) के अंतर्गत, एसडी 2.0 के तहत एक उप-योजना, मंत्रालय ने “संस्कृति और विरासत” और “आध्यात्मिक पर्यटन” के तहत गंतव्यों के रूप में क्रमशः “ मांडू ” और “ ओरछा ” को 25-25 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है।

(घ) इसके अलावा, भारत सरकार ने राज्यों को पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) 2024-25 के तहत मध्य प्रदेश में दो परियोजनाओं अर्थात, “ ओरछा एक मध्यकालीन वैभव - 99.92 करोड़ रुपये ” और “भोपाल में एमआईसीई के लिए अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर - 95.34 करोड़ रुपये ” को मंजूरी दी है।

(ड.) “तीर्थयात्रा पुनरुद्धार और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद)" योजना के अंतर्गत मंत्रालय ने ' अमरकंटक का विकास ' और ' ओंकारेश्वर का विकास ' नामक दो परियोजनाओं को क्रमशः 49.99 करोड़ रुपये और 43.93 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है । प्रसाद योजना के अंतर्गत मंत्रालय ने मध्य प्रदेश में 'श्री पीतम्बरा पीठ , दतिया जिला” और “ शनिदेव मंदिर, मुरैना जिला” नामक दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है। ।

(च) “पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता” योजना के तहत 23.15 करोड़ रुपये की लागत से "आईटीडीसी द्वारा मध्य प्रदेश के दमोह में बेलताल झील में पर्यटन अवसंरचना" परियोजना को मंजूरी दी है।

******